KYA LIFE ME AISA BHI HOTA HAI PART-1

SANDEEP MEHROTRA

Coming Soon
KK (KDS) KRISH-4

पहले खरीदो
फिर पढ़ो
फिर समझोगे
कि क्या किताबों में
ऐसा सिनेमा भी होता है
Surprise
Books Me
Cinema Kaise
Ho Sakta Hai
इसलिये
पहले खरीदो, फिर पढ़ो,
फिर समझोगे मेरे दोस्तों

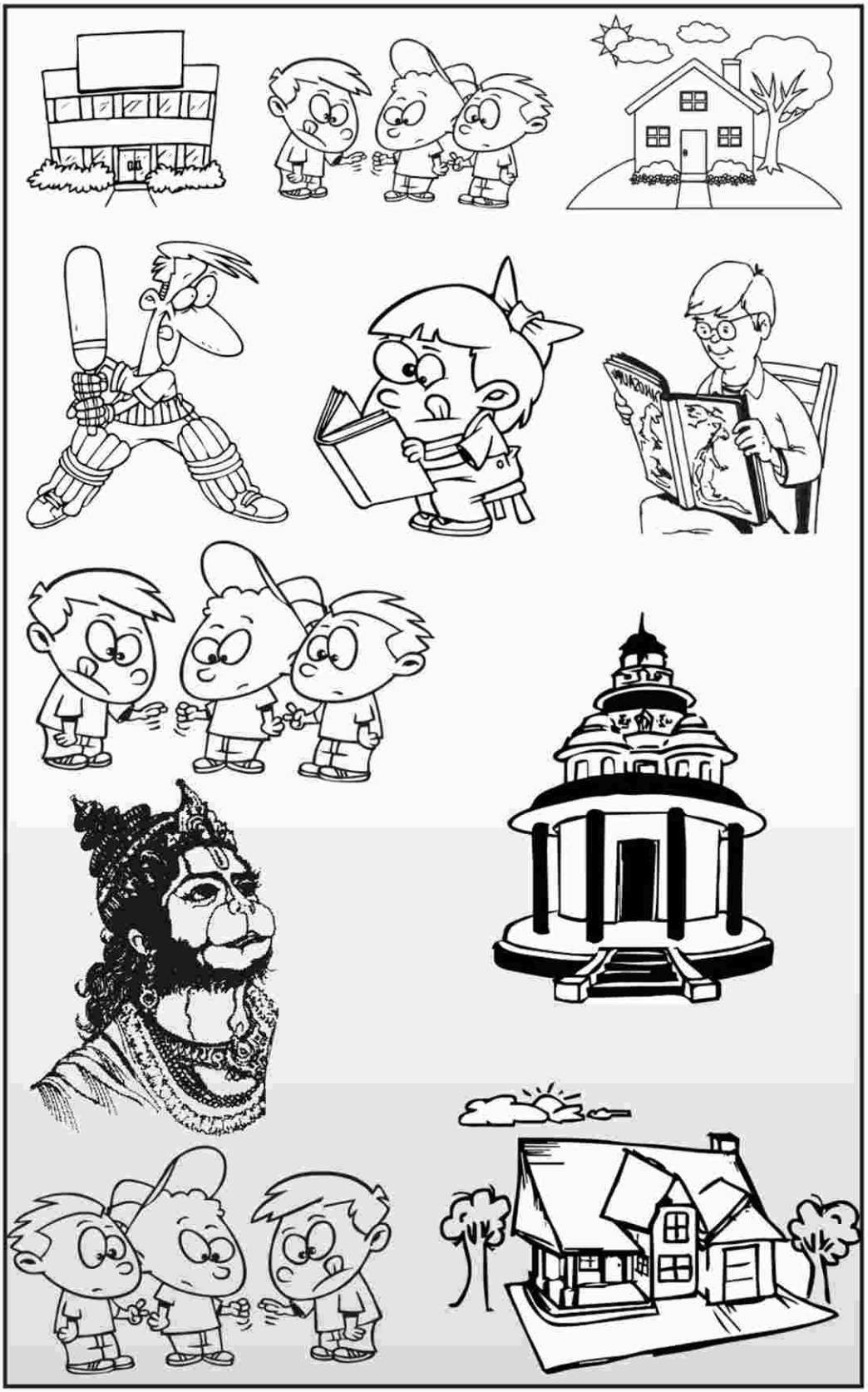

यह तीन लड़कों और एक लड़की की कहानी है जो अपने घर से स्कूल पढ़ने जाते हैं। वह चारों ही पढ़ाई, खेलकूद आदि सभी में कमजोर होते हैं। हर जगह उन्हें इसी कारण बेइज्जती का सामना करना पड़ता है। घर में माता-पिता की डाँट और स्कूल में अध्यापक की डाँट पड़ती है। हर जगह उनका मजाक उड़ाया जाता है। यहाँ तक स्कूल में बच्चों ने एक नाम भी बना लिया था। 1 2 3 4 चारों मिल जायें तो बेड़ा गर्क कह-कह कर चिढ़ाया करते थे। इन चारों को बड़ा ही दु:ख होता था। एक कक्षा में चारों लोग दो साल से पढ़ रहे थे। फिर से वह तीसरी बार फेल हुये तो प्रधानाचार्य ने उन्हें स्कूल से निकाल दिया।

जब घर वालों को इस बात का पता चला तो उन्होंने भी उन्हें घर से निकाल दिया। फिर वो चारों लोग घर से निकलकर रास्ते पर चलने लगते हैं। उन लोगों की समझ में कुछ नहीं आ रहा था, सिर्फ चारों लोग रो रहे थे। चलते-चलते उन्हें एक आइडिया आता है, हनुमान जी का मन्दिर दिखता है, मन्दिर के बाहर लिखा था-'संकट मोचन हनुमान जी मन्दिर' फिर वो चारों लोग उस मंदिर में जाते हैं और हनुमान जी से पूछते हैं-' आपने हमको ऐसा क्यों बनाया ?क्यों हर जगह हमारा मजाक उड़ाया जाता है ? स्कूल में अध्यापक ने निकाल दिया और घर से माता पिता ने निकाल दिया, हमको ऐसी शक्ति और बुद्धि दीजिये कि हम लोग भी अपना नाम कर सकें। हम लोग भी कुछ ऐसा करें कि हम लोगों का भी खूब नाम हो।''

फिर आचानक एक आवाज आती है उन बच्चों की बात सुनकर हनुमान जी प्रकट होकर मुस्कराने लगते हैं। ठीक है , अच्छी बात है , तुम लोग भी खूब नाम कमाओ, अरे यह कहाँ से आवाज आयी ? लगता है कि यह हनुमान जी की आवाज है। हम लोगों को एक ऐसी शक्ति मिल गयी है कि हम लोग भी खूब नाम कमा सकेंगे।

अरे हम लोग ऐसा क्या करें जो हम लोगों को पता चल सके कि हम लोग भी कुछ कर सकते हैं ?

अमिताभ का हाथ पकड़ता है और कहता है– ''अमिताभ तू विजय बन जा'' और अपने आप को कहता है– ''तू अमिताभ बन जा।'' कौन हो तुम और मेरे घर में कैसे घुसे ? यह तुमने क्या किया ? ''मुझे माफ कर दीजिये अब मैं कुछ दिनों तक आपकी जिन्दगी जीना चाहता हूँ। हाँ यह वादा करता हूँ कि आपके नाम का गलत इस्तेमाल नहीं करूँगा। मैं कक्षा 9 में पढ़ता हूँ। मुझे मेरे माँ–बाप खोज रहे हैं।''

तभी वो नौकर को बुलाता है और कहता है कि इनको आदर पूर्वक गेट के बाहर पहुँचा दो। नौकर से अमिताभ बोलता है– ''मैं अमिताभ हूँ और यह कोई गैर आदमी है।'' तब नौकर कहता है– ''अरे जो यहाँ पर अमिताभ जी से मिलने आता है। वह अपने आपको अमिताभ ही कहता है।'' यह सब नन्दनी और रमेश भी करते हैं। उनका रूप धारण कर लेते हैं। वे चारों लोग अपने प्लान में सफल हो जाते हैं।

फिर उन चारों में से एक लड़का सोचता है– ''क्या वह तीनों अपने प्लान में सफल हो गये ?'' तभी शाहरुख की नजर डायरी पर पड़ती है। तो वह उसमें सचिन, अमिताभ, ऐश्वर्या का नम्बर खोज लेता है। सबसे पहले वह अमिताभ को फोन मिलाता है। अमिताभ मैं शाहरुख बोल रहा हूँ। क्या आपने मुझे पहचान लिया ? अरे राहुल उर्फ शाहरुख यह काम करने के लिए बड़ी मुसीबत उठानी पड़ी, लेकिन कामयाब हो ही गये और नन्दनी और रमेश का क्या हुआ ? हाँ उनको भी फोन किया था। वह भी अपने मकसद में कामयाब हो गये। अब हम लोगों की नई जिन्दगी शुरू हुई है। हम लोगों ने बड़ा ही

अपमान सहा है। अब हम लोग भी अवार्ड जीतेंगे। हम लोगों की हर जगह तारीफ होगी। कितना अच्छा होगा न, हम लोगों को एक बार, एक साथ मिलना होगा। हाँ ठीक है! फिर वे चारों प्लान करते हैं कि हमें कैसे मिलना है और कब ? फिर वे चारो तय करते हैं–''हम लोग होटल ताज में मिलेंगे।''

(फिर बच्चे से बने कलाकार) वे चारों इकट्ठे होटल में मिलते हैं। फिर वह चारों बताते हैं कि किस तरह की मुश्किलें उठाकर उनके घर में प्रवेश किया।

वे चारों एक दूसरे से वायदा करते हैं कि हम लोग इनके नाम का गलत इस्तेमाल नहीं करेंगे।

तभी हनुमान जी प्रकट हो जाते हैं और कहते हैं– ''तुम चारों को मैंने यह मौका इसलिये दिया है कि तुम लोग जो भी पैसा कमाओगे, वह गरीबों और लाचारों पर लगा दोगे।'' वे चारों वादा करते हैं कि हम जो भी कमायेंगे, वह गरीबों के कल्याण में लगा देंगे।

हनुमान जी कहते हैं– ''अब तुम सब जाओ और अपने मकसद में लग जाओ। यही मेरा आशीर्वाद है।'' फिर वह चारों अपनी–अपनी गाड़ी में बैठकर, अपने–अपने बंगले की ओर चले जाते हैं।

दूसरी तरफ उन चारों की मुसीबत बढ़ जाती है। जो बच्चे बने रहते हैं, वह चारों बच्चे अपने माँ–बाप से मार खा रहे होते हैं। उनके पिता जी इनका घर से निकलना बिल्कुल बन्द कर देते हैं। स्कूल से घर और घर से स्कूल। वह चारों समझ गये कि वह बहुत बुरे फँसे हैं, क्या थे हम और क्या हो गये ? अपने बारे में अगर बतायेंगे तो लोग हसेंगे भी और मार–डाँट भी खानी पड़ेगी।

फिर वे चारों जो बच्चे बन गये थे, अपनी–अपनी माँ के पास जाते हैं और उन्हें सच बताते हैं, लेकिन उनके माँ–बाप कहाँ उनकी बात मानने वाले थे ! अरे बेटा ! क्या बात करते हो ? क्या लाइफ में ऐसा भी कहीं होता है ? अगर तुम यह बात और किसी से करोगे तो सब तुमको पागल कहेंगे। फिर बच्चे सोचते हैं कि कितने कठिन विषय हैं, इनको याद करना और फिर इनकी परीक्षा देना और अच्छे अंक नहीं आये तो सबकी डाँट खाना। यह तो बड़ी मुश्किल की बात है, ऐसे बचपन से तो बड़ा डर लगता है, जैसे हम थे वैसे बहुत अच्छे थे, लेकिन उसमें भी याद करना पड़ता था। फाइनल सार्ट करने की, और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते थे। उसमें तो सिर्फ रोमांटिक चीजें याद करनी पड़ती थीं।

यही सोचते–सोचते उनको नींद लग जाती है। सुबह हो जाती है। सबकी मम्मी आती हैं और कहती हैं कि स्कूल नहीं जाना है क्या ?

स्कूल भी जाना पड़ेगा ?

क्यों कोई नई बात है क्या ? जो तुम इस तरह से पूँछ रहे हो ?

जैसे-तैसे वह चारों बच्चे स्कूल के लिये तैयार हो जाते हैं। जैसे ही वह स्कूल पहुँचते हैं, कुछ बच्चे उनको धक्का देते हैं और आगे बढ़ जाते हैं, तो चारों बच्चे किसी से बात नहीं करते हैं, उदास बैठे रहते हैं। स्कूल में उन चारों की नजर एक दूसरे पर पड़ती है तो चारों एक दूसरे से पूछते हैं अरे! क्या हुआ तुम उदास क्यों हो? अगर मैं तुम्हें सच बताऊँगा, तो तुम मुझपर हँसोगे तो नहीं! सही बताओ फिर उन चारों में से एक बच्चा सच बोलता है। वह अपनी कहानी शुरू से बताता है। जो शाहरुख से राहुल बन जाता है। दूसरा बोलता है कि यह सब तो मेरे साथ भी हुआ है। ''मैं अमिताभ बच्चन हूँ।'' तीसरा बोलता है- ''मैं सचिन तेंदुलकर हूँ।'' और चौथी लड़की बोलती है कि- ''मैं ऐश्वर्या राय हूँ।''

उसके बाद बारी आती है ऐश्वर्या राय की, आपकी भी वही हालत है, सभी विषय में आपके कम अंक आये हैं, पर इंग्लिस में सबसे ज्यादा अंक आये हैं। वह भी अपने मन में कहती हैं, कि मैम आप जानती हैं कि मिस वर्ल्ड जीतना कितना कठिन है। उसके लिये इंग्लिस बहुत अच्छी होनी चाहिये। आजकल मैं विदेश में भी काफी फिल्म कर रही हूँ, इसलिये उन फिल्मों को करके ही मेरी इंग्लिस बहुत अच्छी हो गयी है। वह भी यह सुनकर मुस्कुराने लगतीं हैं।

फिर बारी आती है सचिन तेन्दुलकर की, आपकी भी इन तीनों के जैसी ही हालत है। आपके सभी विषय में कम अंक आये हैं पर भूगोल में सबसे ज्यादा अंक आये हैं, तो सचिन भी अपने मन में कहते हैं, मैम मैं बहुत बड़ा क्रिकेटर हूँ, कितनी जगह जा चुका हूँ। क्रिकेट खेलने के बाद जब हम लोगों को थोड़ा भी ब्रेक मिलता था तो हम लोग घूमने जाते थे, तो साथ में एक गाइड जरूर होता था। बहुत जगह मैं दो तीन बार गया हूँ, इसी बहाने मेरा रिवीजन भी हो जाता था।

कक्षा खत्म होने के बाद वे आपस में मनोरंजन करते हैं। जब भी वे एक साथ होते हैं तो वह अपने बीते समय को याद करते हैं। फिर वे चारों अलग-अलग बैठ जाते हैं।

सचिन वन डे में पहली बार 200 रन पूरे किये। जहाँ सचिन घमासान बैटिंग करके करोड़ों रुपया कमा रहे होते हैं।

दूसरी तरफ अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय माडलिंग , एडवर्टाइजमेन्ट, हॉलीवुड, वॉलीवुड से करोड़ों रुपया कमा रहे थे।

तीसरी तरफ शाहरुख प्रोडेक्शन, ऐंक्टिंग, क्यूज कान्टेस्ट, आई पीएल मैचेस, एडवर्टाइजमेन्ट में धमाल मचा रहा था वह भी करोड़ों रुपया कमा रहा था।

बॉलीवुड के फिल्म स्टार शाहरुख खान को मुंबई में एक समारोह में फिक्की फ्रेम्स एक्सलेंस सम्मान प्रदान किया।

(बच्चे बने कलाकार) जहाँ शाहरूख अमिताभ की रोज लड़ाई देखते थे। अब वहीं इन दोनों का दोस्ताना देखते थे। जहाँ ये दोनों कितने दूर-दूर देखे नहीं जा सकते थे, अब वहीं काफी पास देखे जा सकते थे।

शाहरुख जी आप को भारत रत्न पाकर कैसा लग रहा है। भारत रत्न मिलना एक गर्व की बात है पता नहीं मुझे क्या हो रहा है, मुझे नेक काम करने में ही मजा आता है।

जो कलाकार बने हुये बच्चे होते हैं वे सभी हर वक्त इन चारों की खबर रखते थे, कभी-कभी रेडियो से पता करते थे कि आखिर मेरे नाम का सहारा लेकर ये लोग कर क्या रहे हैं?

जहाँ उनका नाम लेकर पैसा कमा रहे थे वहीं गरीबों और लाचार लोगों की मदद भी कर रहे थे। चारों तरफ से करोड़ों रुपये गरीबों के लिये आ रहे थे।

जाइये। रोज-रोज फोन आना और रोज उनका दुख देखना उनसे बर्दाश्त से बाहर हो चुका था। अब उन्होंने आपस में तय किया कि हम लोगों को अब बच्चे बनना होगा। फिर एकदम से हनुमान जी प्रकट हो जाते हैं और कहते हैं कि तुम लोगों ने हिन्दुस्तान की गरीबी काफी हद तक कम कर दी है। अब उनको इतना सबक मिल चुका है कि वह भी अब अपना सारा जीवन नेक काम में लगा देंगे। तभी उन बच्चों के पास राष्ट्रपति का फोन आता है। आपको इतने नेक काम के लिये भारत सरकार आपको भारत रत्न की उपाधि देना चाहती है। फिर वे आपस में तय करते हैं कि भारत रत्न लेकर ही उनके पास जाकर उनका असली रूप वापस कर देंगे। फिर उन चारों को भारत रत्न मिलता है।

चारों तरफ उनका नाम होता है। लेकिन पाँच साल में उन बच्चों को स्नातक की डिग्री मिल जाती है। जो कलाकारों ने अपनी मेहनत से प्राप्त की होती है। दूसरी तरफ उन कलाकारों को वह इज्जत समाज में मिल जाती है, कि

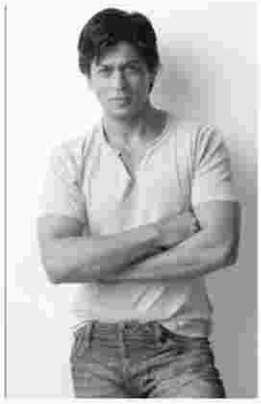

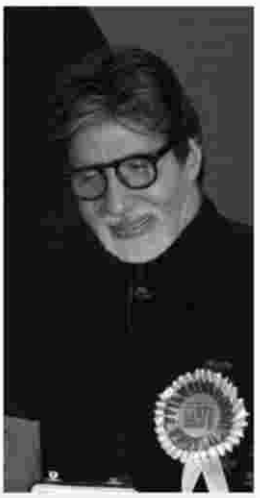

वो सपने में भी सोच नहीं सकते थे अब वह समय आ गया था, कि जो बच्चे से बने कलाकार और कलाकार से बने बच्चे एक साथ मिलने के लिये तैयार हो जाते हैं, एक तरफ वे चार बच्चे दूसरी तरफ वे चार कलाकार जब आमने सामने खड़े होते हैं तो कुछ वक्त तक ऐसा लगता था, कि उनके बीच बहुत घमासान लड़ाई हो जायेगी। लेकिन ऐसा नहीं होता है। वे सभी एक दूसरे से गले मिल जाते हैं, एक दूसरे का शुक्रिया करते हैं। अब वह समय भी आ जाता है, जो सभी लोग अपने असल रूप में आने के लिये बेकरार होते हैं एक-एक करके एक दूसरे पर हाथ रखते हैं।

और फिर वे अपनी-अपनी दिशा में निकल पड़ते हैं। जब शाहरूख,, सचिन, अमिताभ, ऐश्वर्या अपने-अपने घर जाते हैं। तो पूरा परिवार उनसे लिपट जाता है और कहता है कि हमको आप लोग कभी भी छोड़कर मत जाईयेगा।

फिर से अब असली अमिताभ, शाहरुख, सचिन, ऐश्वर्या मिलते हैं। इन बच्चों ने हमारे लिये कितना सब कुछ किया। अब हमको इनके साथ कुछ करना होगा। फिर उन बच्चों के घर में निमंत्रण पत्र जाते हैं। घरवाले निमंत्रण पत्र देखकर खुशी के मारे झूम उठते हैं कि अमिताभ के यहाँ से निमंत्रण आया है। निमंत्रण वाले दिन चारों इकट्ठा होते हैं, और कहते हैं कि पुरस्कार देने से पहले बताया जाता है कि पुरस्कार क्यों दिया जाता है, पर हम आपको बता नहीं सकते कि पुरस्कार क्यों दे रहे हैं? अगर हम लोग बताते हैं कि आप लोग हमको पागल कहेंगे। फिर एक-एक बच्चे को बुलाकर पुरस्कार दे दिया जाता है।

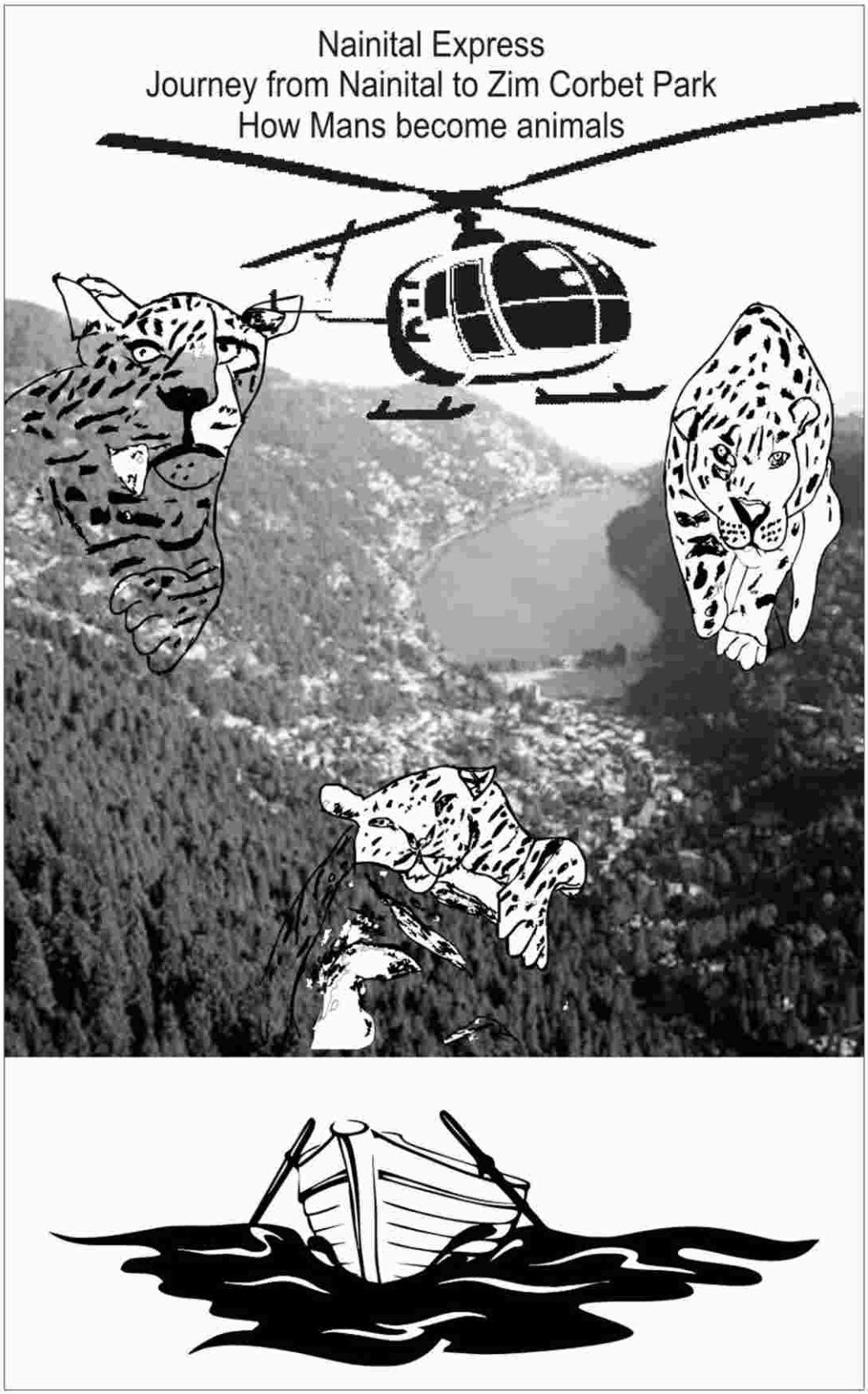
Nainital Express
Journey from Nainital to Zim Corbet Park
How Mans become animals

यह कहानी सुपर स्टार शाहरुख, अमिताभ, आमिर, सलमान की है जो बाम्बे से नैनीताल विन्टर वेकेशन की हालीडे मनाने जा रहे हैं। बाम्बे से लखनऊ फ्लाइट से पहुँच जाते हैं, फिर लखनऊ से हवाई जहाज से सुबह 11 बजे नैनीताल पहुँच जाते हैं। नैनीताल पहुँचते ही हजारों लोग उन्हें घेर लेते हैं। उनके हस्ताक्षर माँगते हैं, आटोग्राफ माँगने वालों की इतनी भीड़ हो जाती है कि भगदड़ मच जाती है, तभी इतनी जोर की हवा आती है सभी फिल्म स्टार की कैप हवा में उड़ जाती है, कहीं कैप झील पर गिरती है तो कहीं होटल में गिरती है, इसी समय पुलिस की जीप आती है और सभी फिल्म स्टार को बैठाकर उनके होटल में छोड़ देती है, वह काफी थक चुके थे भीड़ के बारे में डिस्कस न करके आराम करना उचित समझा। उन सभी की नैनीताल में पहली सुबह हो जाती है, चारों तरफ बारिश ही बारिश हो रही थी।

उनके कमरे की सभी खिड़कियाँ हवा से अपने आप एक-एक करके खुल जाती हैं, बारिश की ठण्डी हवा उन सभी को नींद से जगा देती है। वह चारों जन उठकर खिड़कियों के पास खड़े हो जाते हैं, नैनीताल की बारिश का मजा उठा रहे होते हैं तभी वे सभी अपने मन में सोचते हैं कि काश मेरे पंख होते तो इन नैनीताल की खूबसूरत वादियों में उड़कर इन सभी जगहों को अपने मन में कैद करके कहीं किसी सपने की दुनिया में चले जाते हैं। वे यह सोच ही रहे होते हैं कि शाहरुख अपने दोनों हाथ फैलाकर इन खूबसूरत वादियों से कहता है कि- ''तुम पास आये, तुम मुस्काये, तुमने न जाने क्या सपने दिखाये, क्या करूँ हाय! कुछ-कुछ होता है।''

शाहरुख और इन खूबसूरत वादियों को देखकर आमिर, सलमान, अमिताभ देखते ही रह जाते हैं। कुछ देर बाद बारिश बन्द हो जाती है । यह सपनों की दुनिया धीरे-धीरे हकीकत में आ रही होती है। वह पहाड़, वह झील, वह पेड-पौधे, धीरे-धीरे अपनी जगह पर आ रहे होते हैं। लोगों को धीर-धीरे एहसास जगा रहे होते हैं कि हम आपको छोड़कर कहीं गये नहीं है, बल्कि हम तो आपके मन में और दिल के बहुत पास में रहते हैं।

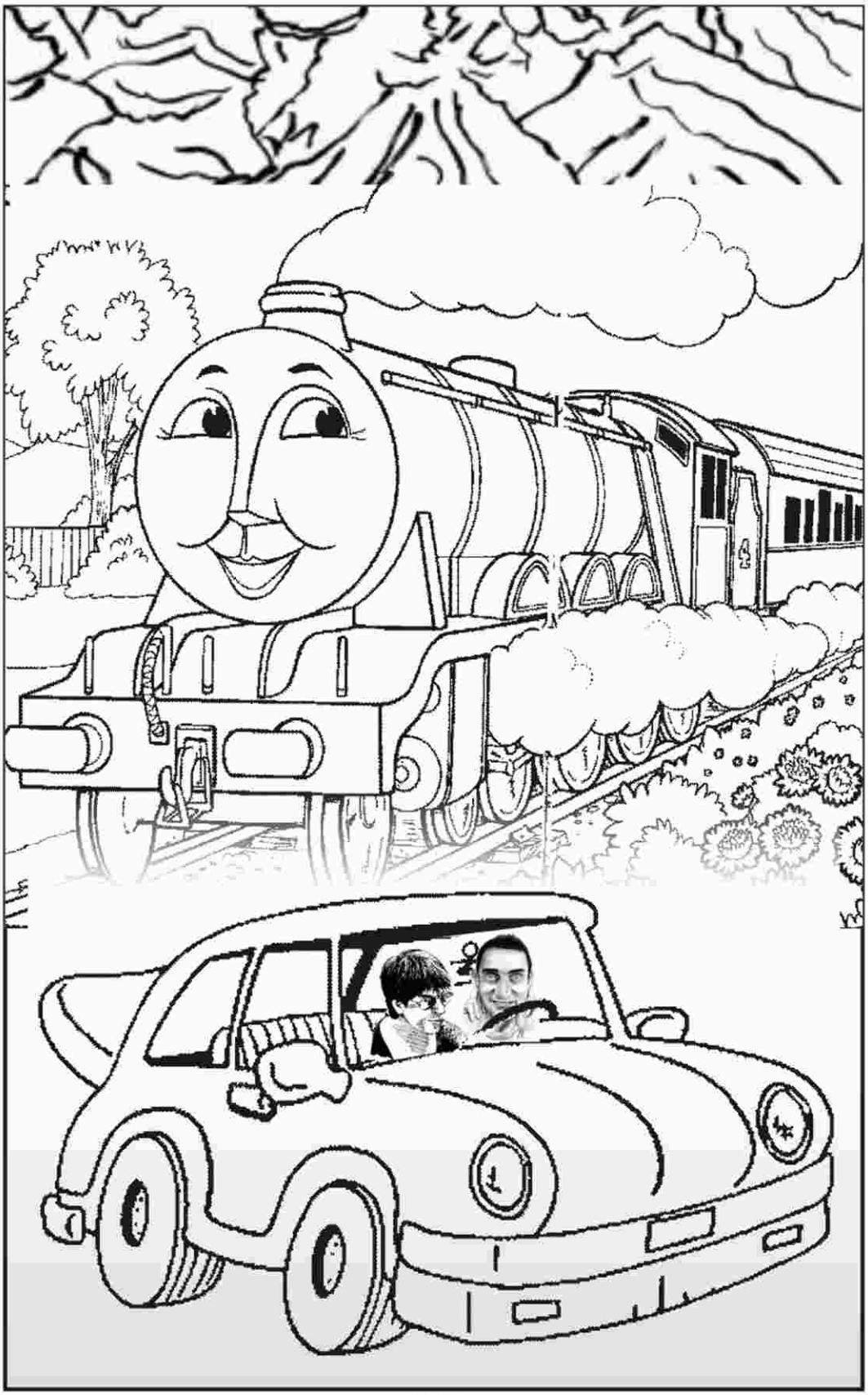

उस समय के हीरो इन पहाड़ों में क्या अनोखा अन्दाज दिखाया करते थे। आज भी वह फिल्में देखो तो मन गदगद हो जाता है। उस समय के हीरो के क्या अन्दाज हुआ करते थे। राजेश खन्ना, देवानन्द, धर्मेन्द्र, जितेन्द्र इनका क्या अंदाज था।

तभी उनके पास से एक ट्रेन गुजरती है, शाहरुख, अमिताभ से बोलता है –अमिताभ जी देखिये उस ट्रेन में जया जी बैठी हैं, जया जी यहाँ कहाँ उनको तो अपनी भावनाओं से ही मौका नहीं मिलता है, जब वह खुशी का मौका होता है तो वह खूब हंसती हैं और जब दुख का मौका होता है तो खूब रोती हैं। उनका यह सुख–दुख देखकर मैं बड़ा ही भावुक हो जाता हूँ। एक दिन की बात है, डायरेक्टर करन जौहर की कोई फिल्म बनाने का आइडिया नहीं मिल रहा था, तो मैंने उन्हें आइडिया दिया कि तुम कभी खुशी–कभी गम नाम की फिल्म बना लो, इसमें मस्त अदाकारा जया जी को जरूर रखना, तुम्हारी यह फिल्म सुपर हिट होगी और ऐसा ही हुआ। अरे सर आप कहाँ वह पुरानी बातों को याद कर रहे हैं, मैं तो उस गाने को याद कर रहा हूँ, जब राजेश खन्ना जी ने टैगोर जी के लिये गाया था– ''मेरे सपनों की रानी कब आयेगी तू, चली आ! चली आ!''

मिस्टर संदीप आप कृपया पीछे आइये! सर आप गाड़ी ड्राइव करिये और यह गाना जया जी के लिये गाकर सुनाइये! सर कृपया मना मत कीजियेगा! ठीक है, जैसी आप लोगों की मर्जी।

तभी अमिताभ जी जोर से हार्न बजाते हैं और गाना शुरू करते हैं, एक तरफ राजेश खन्ना जी का गाना दिखाते हैं तो दूसरी तरफ अमिताभ जी का, उसी अन्दाज में गाना गा रहे थे जैसे ही यह गाना ट्रेन के मुसाफिर तक पहुँचता है, तभी सभी मुसाफिर ट्रेन के बाहर देखते हैं, अरे यह गाना तो अमिताभ जी गा रहे हैं। तभी सभी मुसाफिर यह गाना सुनकर झूमने लगते हैं। एक तरफ ट्रेन आगे बढ़ रही थी, दूसरी तरफ उनकी गाड़ी आगे बढ़ रही थी। ट्रेन और गाड़ी के बीच में यह गाना लोगों के मन में एक नया उमंग भर रहा था, तभी क्रासिंग का गेट बन्द जो हो जाता है, गाड़ी रुक जाती है और ट्रेन आगे बढ़ जाती है। जब

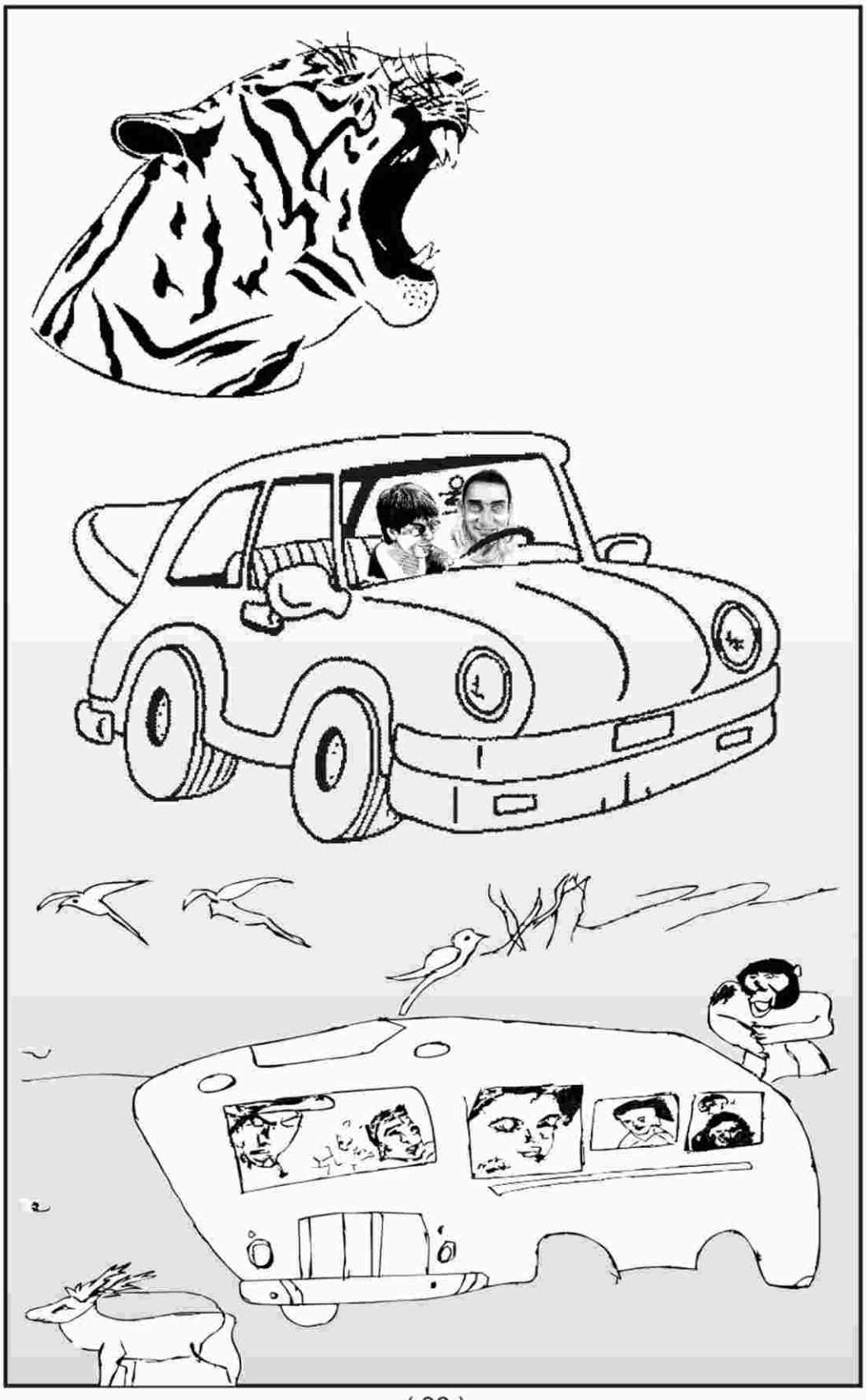

ट्रेन आगे बढ़ रही होती है तो शाहरुख हाथ हिलाते हुये कहता है, गुड बाई, हैपी जर्नी, वेस्ट ऑफ लक, हाय-हाय। फिर ट्रेन क्रासिंग से आगे बढ़ जाती है, गेट खुल जाता है, उनकी कार आगे बढ़ने लगती है । कभी नदियाँ, कभी झरने तो कभी पहाड़ों के खूबसूरत नजारें। अब वह अपनी कार में चुपचाप बैठे हुये थे, न कोई हिरोइन, न कोई पुरानी फिल्मों की यादें, न कोई रोमांटिक गाने, न गोसिप, न कोई मजाक, वह बिल्कुल शांत बैठे हुये थे। पहाड़ों के नजारे को देखकर अपने मन को प्रसन्न कर रहे थे तो कोई आँखें बन्द करके ठंडी हवाओं को महशूस कर रहा था। तो कोई अपनी आंखों को खोलकर पहाड़ों की खूबसूरती देख रहा था। कभी धूप तो कभी छाँव तो कभी टप-टप बरसता पानी। ये नजारा देखकर अपनी आँखों में एक नई दुनिया समा रहे थे। वह तो इन पहाड़ों की वादियों में जबरदस्त खोये हुये थे।

जैसे ही उनकी कार जिम कारबेट पार्क में प्रवेश करती है, तभी एक जोरदार टाइगर की दहाड़ सुनाई देती है। दहाड़ सुनते ही शाहरुख अमिताभ के ऊपर कूद पड़ता है और चिल्लाता है -''उई मम्मी''। उधर आमिर-सलमान भी कहते हैं -''भागो- भागो शेर आ गया।'' तभी मिस्टर संदीप कहते हैं-''अब आप लोग जिम कारबेट पार्क में इन्ट्रेन्स कर चुके हैं, ऐसी आवाजें आप लोगों को कुछ-कुछ घण्टों में सुनाई दिया करेंगी।'' आवाज आने का यह मतलब नहीं होता है कि आप लोगों के सामने शेर आकर खड़ा हो गया, अगर शेर सचमुच में आप लोगों के सामने आ जाता है तो आप लोग भागेंगे नहीं, नहीं तो वह आप लोगों के ऊपर कूद पड़ेगा। मिस्टर संदीप ऐसी बात नहीं है, पर आपने ही कहा था न कि यहाँ के जानवर पिंजरे में कैद नहीं होते हैं बल्कि हमारी तरह आजादी से घूमते हैं। पर मिस्टर शाहरुख डान्ट वैरी, जितना आप शेर से डरते हैं, उतना ही शेर आपसे भी डरता है, मेरा मतलब है कि इंसानों से । तभी जिम कारबेट का गेट आ जाता है।

जब वह फिल्मी स्टार मेन गेट के पास पहुँचते हैं तो फिर से कुछ लोग उन्हें घेर लेते हैं, उनके आटोग्राफ माँगते हैं। बार-बार एक अजीब सी घटना

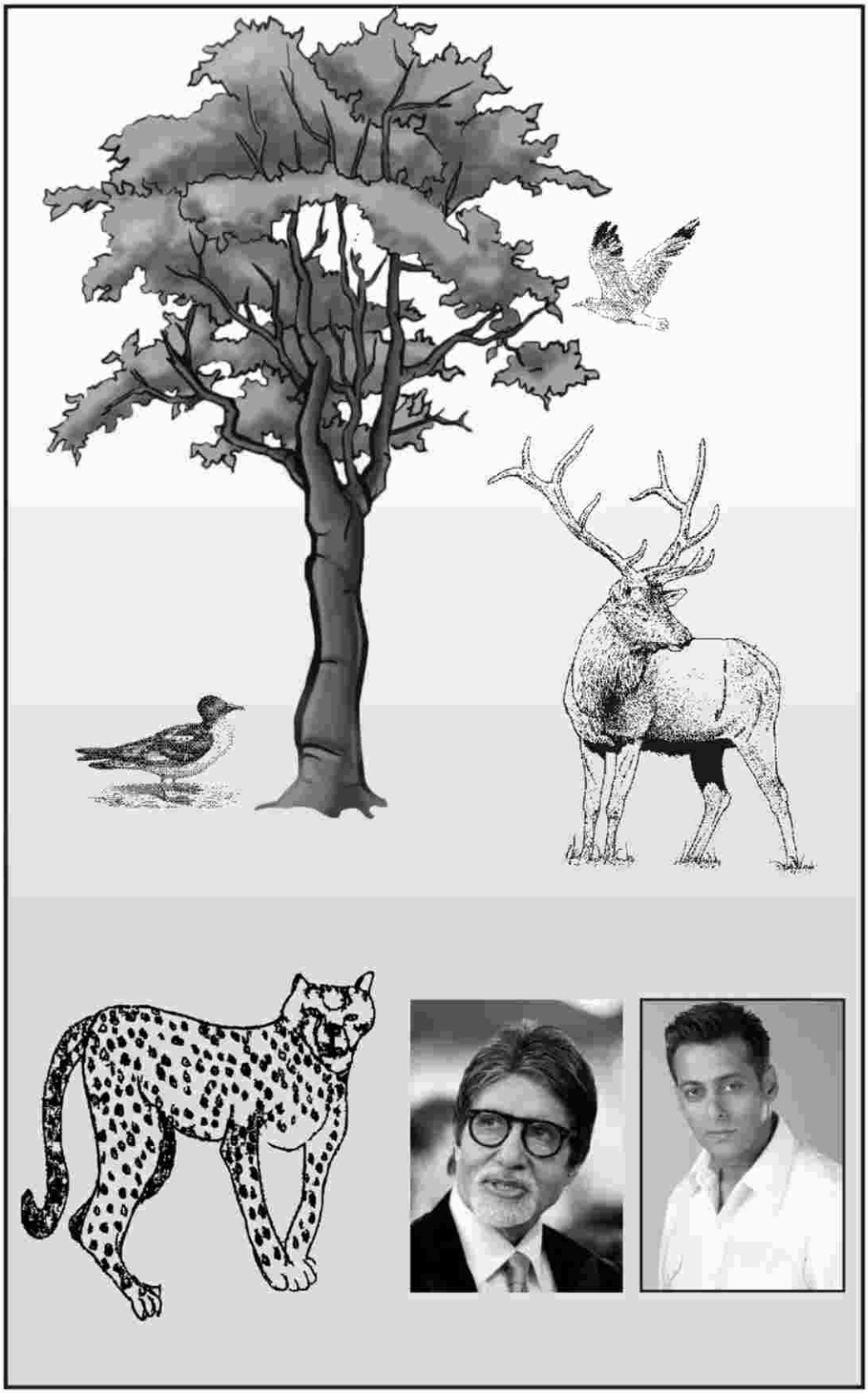

माफ कर देना। वह शेर है जोर-जोर से दहाड़ रहा था जैसे तुम्हें डर लगता है वैसे ही मुझे भी डर लगा। मैं जोर से वहाँ से भागा और तुम्हारे ऊपर गिर पड़ा। मुझे माफ कर देना। वह हिरन बड़े मजे से शाहरुख की बात सुन रहा था। जैसे इसे शाहरुख की सब बात समझ में आ रही हो। हिरन कुछ देर रुकने के बाद जोर से भागता है, फिर से शेर के दहाड़ने की आवाज आती है, शाहरुख जोर से भागकर बस में बैठ जाता है। अरे बाप रे! अब बस से नीचे नहीं उतरूँगा।

दूसरी तरफ सलमान-अमिताभ एक खूबसूरत पेड़ को देखते हैं जहाँ पक्षी झूमझूम कर उड़ रहे थे, उनका उड़ना, पेड़ की डालियों पर बैठकर मधुर आवाज निकालना, यह नजारा मन को पंसद कर रहा था।

उधर हिरनें पेड़ के पास खड़े होकर घास खा रही थीं। हिरनों का घास खाना भी बड़ा अच्छा लग रहा था, तभी सलमान अपनी दूरबीन से लेपोर्ड को देखता है, सर थोड़ी ही दूर में लेपोर्ड है, चलिये उनको नजदीक से देखते हैं। फिर अमिताभ-सलमान दोनों जन लेपोर्ड को बहुत पास से देखते हैं। डरके मारे सलमान, अमिताभ के पीछे खड़ा होता है । जब अमिताभ लेपोर्ड को देखता है और सोचता है- जब यह आजाद है तो कितना खुश है, अगर यही जेल में बन्द हो जाये तो मेरी फिल्म कालिया की तरह यह भी चिल्लायेगा कि जेलर साहब ये जंजीरें और सलाखों को तोड़कर कालिया भाग जायेगा और आप देखते ही रह जाओगे।

फिर अमिताभ, सलमान से कहते हैं कि मेरे पीछे क्यों खड़े हो ? मेरे कंधे पर कंधा मिलाकार खड़े हो। अरे जवान हो, बाडी बिल्डर हो, अगर यह लेपोर्ड मेरे पास आयेगा तो तुम इस 70 साल के बुड्ढे आदमी को कैसे बचाओगे ? तो सलमान कहता है हाँ-हाँ सर।

फिर सलमान अपनी शर्ट उतारता है और वह कहता है -''अमिताभ जी को घूरकर देखा तो मैं तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर दूँगा।'' फिर अमिताभ बोलते हैं-''कूल डाउन, इतना गुस्सा करने की जरूरत नहीं है।'' ये कोई फिल्म की शूटिंग नहीं चल रही है, बल्कि ये सच में लेपोर्ड खड़ा है, ऐसा

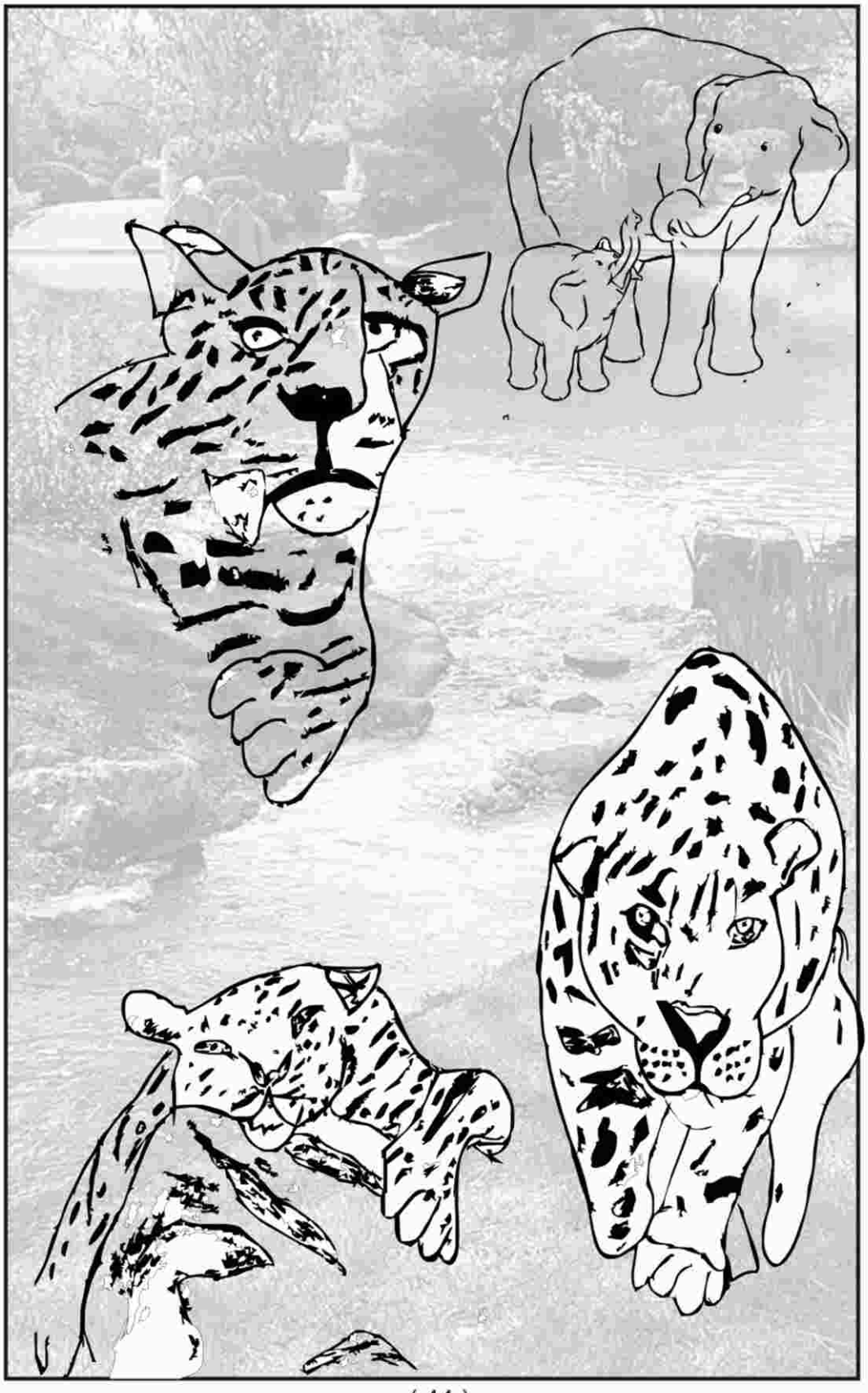

सलमान कहता है कि आखिर हम लोग करें क्या ? बहुत बुरे फँसे हैं, अब यह प्रश्न हम तुम्हीं लोगों से पूछता हूँ क्या आखिर अब क्या करना चाहिये ? जिस तरह एक चोर चुपचाप पूरे शहर में घूमकर अपने मकसद में कामयाब हो जाता है उसी तरह पूरे जंगल के जानवरों से छुपाते हुये हमें अपने मकसद की ओर पहुंचना चाहिये। तभी वह चारों चुपचाप जंगल से निकल पड़ते हैं, जब भी कोई बड़ा या छोटा जानवर उनके पास में आता था वह छुप जाते थे, उन जानवर के निकल जाने के बाद आगे बढ़ते थे। रास्ते में उन्हें जानवरों को अपने बच्चों को प्यार करते हुये देखा जैसे इन्सान अपने बच्चों को प्यार करते हैं।

फिर आगे बढ़े तो उन्होंने देखा कि दो छोटे बच्चे अपने माँ-बाप के शरीर पर चढ़कर उन पर कूद रहे थे। उनके मना करने के बावजूद भी उन पर कूद रहे थे। जैसे इन्सान के बच्चे अपने माँ-बाप के ऊपर कूदते हैं और उन्हें परेशान करते हैं।

फिर एक हाथी देखा जो सफर के समय सबसे पहले दिखा था वह जंगल में हर पेड़ों में फल खोज रहा था। काफी फल इकट्ठा करके अपने बीबी बच्चों का पेट भर सके, वैसे ही जैसे इन्सान सुबह से शाम तक पैसा कमाता है जिससे वह अपने बीबी बच्चों का पेट भर सके। फिर अमिताभ सोचता है कि यह सभी जानवर हम इन्सानों की तरह ही हैं, पर हममें और उनमें सिर्फ इतना ही फर्क है कि हम पढ़े लिखे हैं, हम अपने बच्चों को पढ़ाते लिखाते हैं, पर वह पढ़े लिखे नहीहैं। वह अपने बच्चों को भी पढ़ाते नहीं हैं। तो कैसे उन्हें सही और गलत का ज्ञान हो पायेगा। लेकिन जैसे हम लोगों में एक के प्रति दूसरों के लिये दिल धड़कता है वैस ही उनमें भी एक के प्रति दूसरों के लिये दिल धड़कता है।

हम इन्सान में और जानवरों में कोई फर्क नहीं है, इतना फर्क है कि हमारा विकास तेजी से हो रहा है, उनका विकास धीरे से, न के बराबर हो रहा है। लेकिन मुझे आशा है कि ये सभी जानवर एक दिन इन्सान के बराबर जरूर पहुँचेगे। अगर ये इन्सान के बराबर पहुँच गये तो ये कितने अलग-अलग दिखेंगे। तभी एक टाइगर को एक पुराना घर दिखाई दे जाता है, वह सभी लोगों ो इशारा करता है कि देखो यह रहा वह पुराना घर, चलो जल्द से जल्द पहुँच

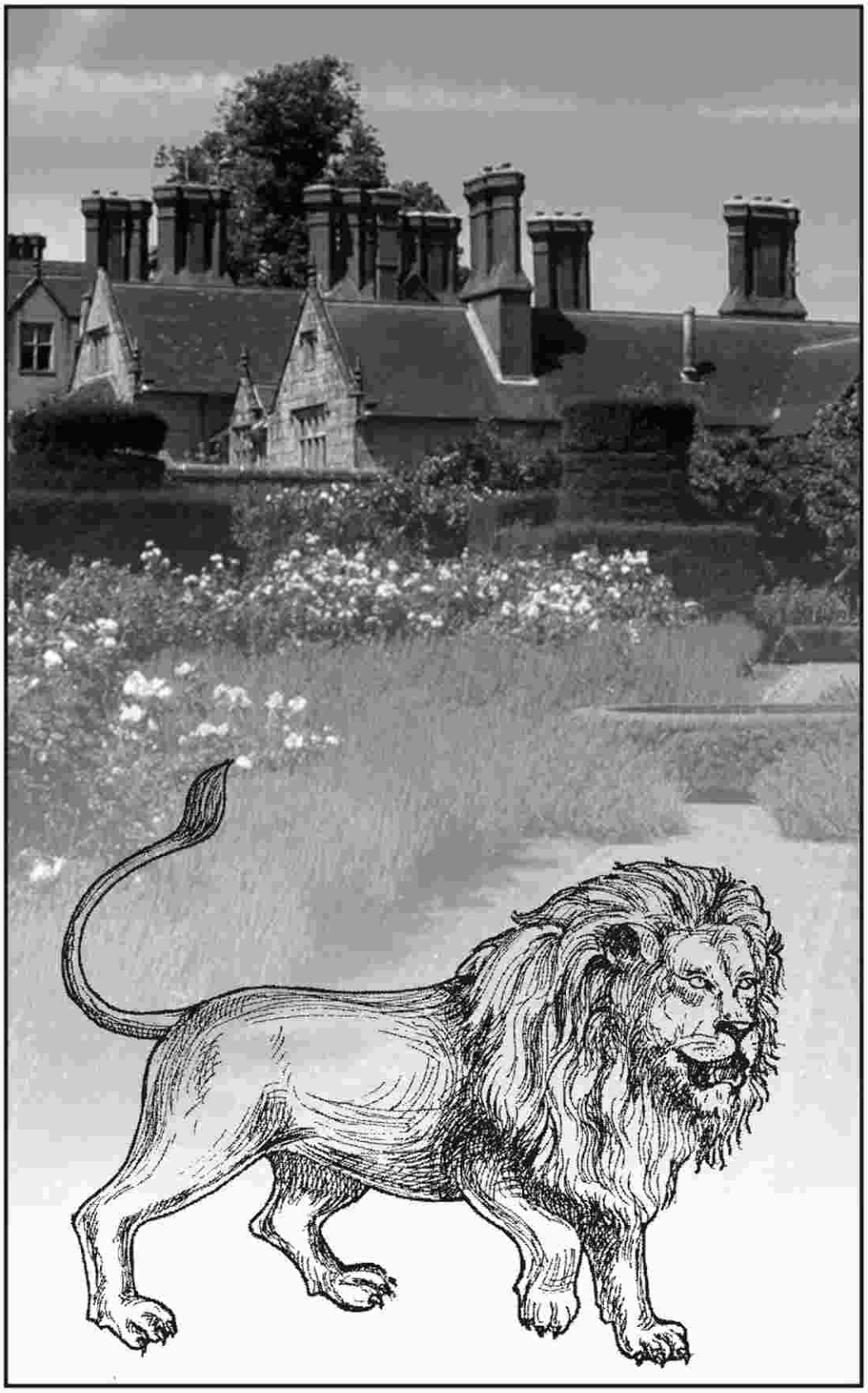

जाते हैं। जैसे ही वह लोग प्रवेश करते हैं तो उन्हें एक आलीशान कमरा दिखाई देता है जहाँ पर हर सुविधा उपलब्ध है।

टेलीविजन, फ्रिज, ए.सी., टेप रिकार्डर, सोफा सेट, बेड। इस कमरे में तो हर चीज हैं लेकिन लगता है कि यहाँ बहुत दिन से कोई नहीं आया है। तभी अमिताभ कहता है कि लाइट जला दो। फिर शाहरूख कहता है कि सर प्लीज लाइट मत जलाइये। अगर लाइट यहाँ पर जलायेंगे तो गाँव वाले समझ जायेंगे कि इस घर में कोई है। फिर वह यहाँ आकर देखेंगे।

सलमान आमिर कहते हैं कि हाँ सर यह तो बिल्कुल बात सही है। टी.वी फ्रिज, ए.सी. सभी चीजें उपलब्ध हैं। बस उन्हें चेक करके देखिये।

तभी शाहरुख टी.वी. खोलता है, सलमान ए.सी. खोलता है, तो आमिर फ्रिज, सभी प्रकार की चीजें हुबहू चल रही थीं। तो उसके हाथ और पैर पहले जैसे वापिस आ जाते हैं लेकिन शरीर शेर जैसा ही होता है। अरे वह जंगल को छोड़कर घर में आये हैं तो कुछ तो इम्प्रूवमेंट होगा। फिर आमिर फ्रिज खोलता है तो उसके भी हाथ पैर वापस आ जाते हैं। सलमान एसी खोलता है तो उसके भी हाथ पैर वापस आ जाते हैं। फिर आखिरी में अमिताभ के भी हाथ पैर वापस आ जाते हैं और वह आते ही सोफे पर सो जाते हैं। उन्हें पता ही नहीं था कि उनके हाथ पैर वापस आ गये हैं। शाहरुख अमिताभ को जगाता है, सर-सर देखिये हम लोगों के हाथ पैर पहले जैसे हो गये हैं।

फिर अमिताभ की आँख खुल जाती है। अरे यह क्या हो गया ? मेरे हाथ पैर फिर से पहले जैसे हो गये हैं और तुम लोगों के भी वापस आ गये हैं। फिर जिस तरह से हम लोग अपने हाथ पैरों का इस्तेमाल करते हैं वैसे ही वह लोग भी अपने हाथ पैर का इस्तेमाल करने लगे हैं। शाहरुख टीवी का चैनल बदल रहा था। आमिर फ्रिज से ठण्डा पानी पी रहा था। तो सलमान ए.सी. खोल कर ठण्डी हवा का मजा ले रहे थे, तो अमिताभ सोफे पर बैठकर आराम फरमा रहे थे। सभी लोग अपने-अपने कार्यों में लगे हुये थे। कुछ समय के लिये वह लोग भूल चुके थे कि उनके साथ कोई घटना घटित हुयी थी, पर एकदम से

अमिताभ बोलता है पता नहीं कितने दिनों तक हम लोगों को यहाँ रुकना पड़ेगा ? कब तक भूखे रहेंगे ?

तभी आमिर बोलता है डोन्टवरी फ्रिज के अन्दर खाने का काफी सामान रखा हुआ है। कम से कम 15 दिन तो यह चल जाना चाहिये। लेकिन हम लोगों में से खाना पकायेगा कौन ? फिर रानी बोलती है कि मैं किसलिये आयी हूँ आप लोगों के साथ ? तुमको तो हम लोग नैनीताल में छोड़ कर आये थे। तुम यहां पर क्या कर रही हो ? मैं तब से आपके साथ ही हूँ। आप लोगों को पता भी नहीं होने दिया। मतलब जिस बस में हम लोग जानवर बने थे उस बस में तुम भी थी। काश तुम हमारा पीछा नहीं करती तो तुम्हें रानी से हिरन नहीं बनना पड़ता।

ठीक है जैसे भी हो आप हमारे साथ आ गयी हो तो हमारे लिये खाना बनाइये, अगर हम लोगों में से किसी की भी मदद की जरूरत पड़े तो जरूर अपनी उँगलियों से इशारा कर दीजियेगा।

ठीक है जब तक रानी खाना बना रही थी वह लोग टीवी देख रहे थे। कभी म्यूजिक चैनल देख रहे थे तो कभी स्पोर्टस चैनल देख रहे थे, जिसमें वर्ल्ड कप दिखा रहे थे जिसमें महेन्द्र सिंह धोनी आखिरी बाल पर छक्का मार रहा था, तो कभी फिल्मी चैनल जिसमें शाहरुख गा रहे थे। तुझे देखा तो ये जाना सनम। आमिर, सलमान, अमिताभ अपनी फिल्म के गाने देख रहे थे और मन ही मन प्रसन्न हो रहे थे, तभी रानी खाना ले आती है लेकिन वह लोग न्यूज चैनल देखना चाहते थे। पर जब भी न्यूज चैनल लगाते थे तो नो चैनल लिख कर आ रहा था।

वह सभी लोग परेशान थे, हम लोगों के खो जाने के बाद हमारे परिवार का क्या हाल हो रहा होगा ? उसमें सिर्फ गाना, फिल्म, स्पोर्टस ये तीनों चैनल ही आ रहे थे, कभी अपने गाने सुनकर मुस्कराते थे तो कभी अपने सीन देख कर गर्व महसूस करते थे, तो कभी इण्डियन की जीत और धोनी की बैंटिंग देखकर उन सभी लोगों का मन प्रसन्न हो रहा था। तभी रानी खाना ले आती है वह सभी लोग इन्सान की तरह खाना खा रहे थे। सुबह से अब खाना खाकर आराम फरमाना था, एक एक-कर सभी को नींद आ जाती है।

नैनीताल की पहली सुबह जिसमें बारिश, उमंग, उत्साह, खुशी हर तरह की एक नयी उमंग थी, जब भी वह सुबह याद आती है, मन गदगद हो उठता है। फिर वह दूसरी सुबह में कितनी गर्मी थी, वह बार-बार बाम्बे की ही याद दिला रही थी। अब तीसरी सुबह जिम कार्बेट पार्क के जंगल में जैसे ही सुबह होती है वैसे ही सभी पशु-पक्षी जोर-जोर से चिल्लाने लगते हैं, उनके चिल्लाने से सभी की नींद खुल जाती है। एक एक कर सभी लोग उठकर खड़े हो जाते हैं और खिड़की से बाहर देखने लगते हैं।

बाहर बिल्कुल सुनसान था, कोई भी नहीं दिख रहा था। फिर एक दम से हाथी अपने बच्चे के साथ बाहर निकलता है और जोर-जोर से चिल्लाने लगता है, हाथी की आवाज सुनकर कुछ छोटे जानवर भी बाहर निकल पड़ते हैं। तभी शेर के दहाड़ने की आवाज आती है। छोटे जानवर अपने सुरक्षित जगह पर भाग जाते हैं और हाथी इधर उधर देखने लगता है। धीरे-धीरे वातावरण जंगल जैसा होने लगता है, फिर अमिताभ खिड़की बन्द कर लेता है । वह अपने अंदर कुछ महसूस कर रहा था तभी वह बाथरूम में जाता है, अरे यह बाथरूम तो बड़ा अच्छा है। यहाँ तो ट्वायलेट की हर चीज उपलब्ध है, दो दिन बीत गये, दो दिन से स्नान भी नहीं किया, क्यों न स्नान कर लिया जाये। अमिताभ का

टाइगर अमिर टी. वी. में BREAKING NEWS देख रहा है

शरीर जानवर का था और उसके शरीर पर काफी बाल थे तो उसमें काफी गन्दगी थी जिससे उन्हें काफी खुजली हो रही थी। साबुन से स्नान करने के बाद काफी आराम मिल रहा था। जैसे वह बाथरूम से बाहर निकलते हैं तभी शाहरुख बोलता है कि यह देखिये सर यहाँ कितने ज्यादा कपड़े हैं आप कौन सा कपड़ा पहनना पसन्द करेंगे ? एक जींस और शर्ट निकाल लीजिये।

फिर वह सभी लोग स्नान करके अच्छे कपड़े पहन लेते हैं और रानी एक अच्छी सी साड़ी पहन लेती है। कपड़े पहनने से उनका शरीर छुप जाता है पर मुँह जानवर जैसा ही दिख रहा होता है। फिर रानी उनके लिये सुबह का नाश्ता बनाती है और वह लोग चेयर पर बैठकर चाय पीते हैं। तभी उनकी छत की खिड़की से दो पैरेट यह सब देख रहे थे पर उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर यह हो क्या रहा है ? दूसरी छत की खिड़की से कैमिल भी देख रहा था वह भी आश्चर्य चकित था तभी न्यूज चैनल का नेटवर्क खुल जाता है। फिर एक दम से ब्रेकिंग न्यूज लिख कर आता है, उसमें लिखा रहता है कि शाहरुख, सलमान, आमिर, अमिताभ लापता। एक हफ्ते से उनकी कोई खबर नहीं। सभी परिवार वाले बड़े ही चिन्तित और रो-रोकर उनका बुरा हाल।

किसी को कोई भी खबर नहीं मिल पा रही है, आखिर ये लोग गये कहाँ ? पूरा देश खौफ में है। इनको जमीन खा गयी या आसमान। एक हफ्ते

LION अमिताभ, शाहरुख आँखें में आँशू भरकर बड़े गुस्से से टी. वी. में अभिषेक बच्चन का इण्टरव्यू देख रहे हैं।

Tiger Amir बहुत परेशान और चिन्ता में

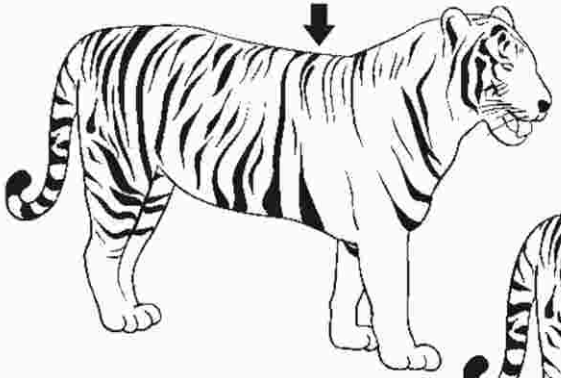

Tiger Salman बहुत गुस्से से हर एक को घूरते हुये

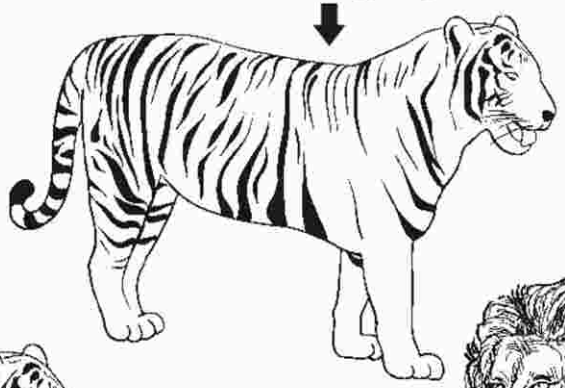

Deer Rani हर एक को देखकर फूट-फूट कर रो रही है।

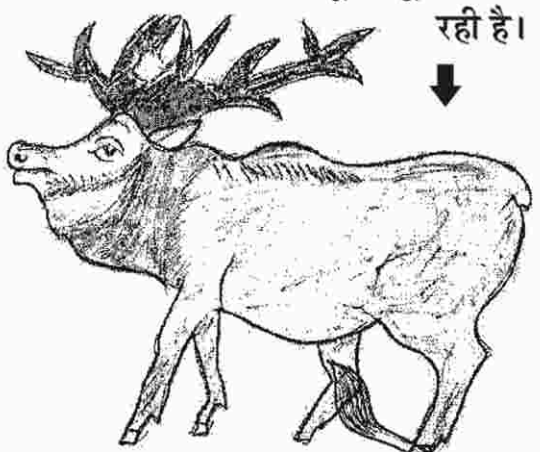

Tiger Shahrukh पागलों की तरह चिल्लाते हुये

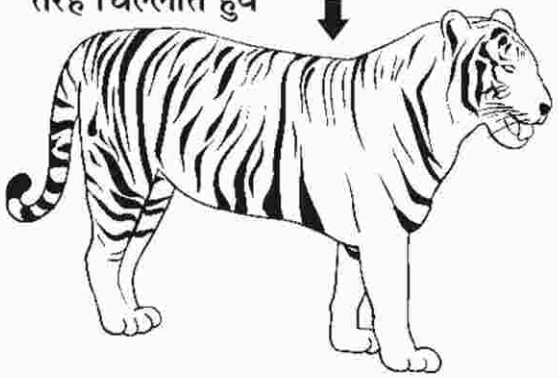

Lion Amitabh हर एक को समझाते हुए धीरज रखो सब ठीक हो जायेगा वरना सब मारे जायेंगे।

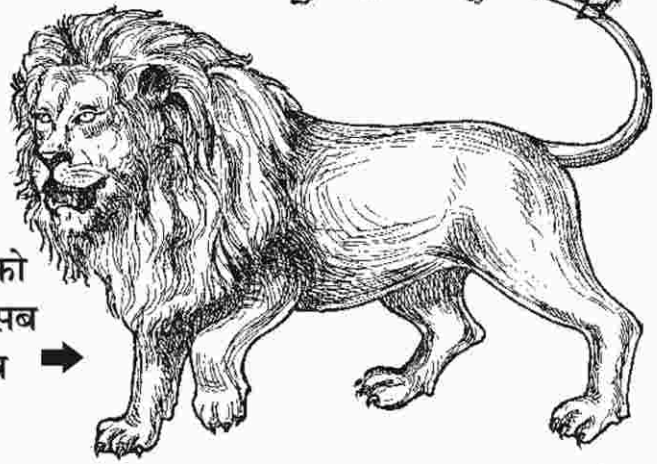

हमारी यह राय है कि जंगल में घूमते समय वह गहरी नदी में कूद गये हैं और पानी में डूब गये हैं। अब हम आपको सीधे दिल्ली ले चलते हैं वहाँ हमारे रिपोर्टर मिस सोनल खड़ी हैं मिस सोनल अब हमें बताइये कि वहाँ आम पब्लिक की क्या राय है? हमारे साथ खड़ी हैं एम.बी.ए. की छात्रा मिस सोनाली अपका इस मैटर में क्या राय है? देखिये हमारी यह राय है कि जंगल में वो लोग खड़े होकर किसी जानवर को देख रहे थे 2-3 साँप आते हैं और उन्हें डस लेते हैं और वह एक बड़े गड्ढे में गिर पड़ते हैं गिरने के बाद काफी घण्टे बीत जाने के बाद वहाँ पर काफी आँधी तूफान आता है वह गड्ढा घास फूस से ढक जाता है आते जाते समय लोग इस गड्ढे को देख रहे होते पर उन्हें कोई भी दिख नहीं रहा होता है। धन्यवाद मिस सोनाली। जैसे आपने देखा कि क्या प्रतिक्रिया है यह रिपोर्ट देने के लिये धन्यवाद मिस सोनल। अब हम आपको सीधे ले चलते हैं कलकत्ता।

वहाँ पर हमारी संवाददाता मिस दीपिका हैं, हाँ हमें यह बताइये कि वहाँ पर लोगों की क्या राय है? हमारे साथ खड़ी हैं मिस ऊषा ये चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट की छात्रा है देखिये मुझे तो लगता है कि सभी लोग पहाड़ से नीचे गिर गये हैं उनके चेहरे पर काफी चोट आने के कारण से उनकी शक्ल और उनकी याददाश्त चली गयी है वह किसी गाँव में मुसाफिर बनकर रह रहे हैं। कलकत्ता, बाम्बे, चेन्नई, दिल्ली ये थी लोगों के प्रतिक्रिया व राय।

यह न्यूज सुनते ही वह चारों जन खड़े हो जाते हैं तभी अमिताभ बोलता है कि गुस्से में दहाड़ने मत लगना क्योंकि गाँव वालों को पता चल जायेगा कि यहाँ पर कोई है और वह चारों घूर-घूर कर इस टीवी को देखने लग जाते हैं तभी अमिताभ बोलता है कि गुस्से में टीवी मत फोड़ देना वरना आगे अब क्या हो रहा है कुछ पता नहीं चलेगा। तो शाहरुख बोलता है कि कितनी दुख की बात है कि गुस्से में जोर-जोर से दहाड़ो मत न कि गुसे में टी.वी. फोड़ो हमारे बीबी बच्चे कितने दुखी हैं। कितने अकेले हैं बस बहुत हो गया अब मैं इस जंगल में निकलकर एक-एक शेर और चीते से लड़ूँगा और जिसने भी मेरी यह हालत की है मैं उसे मार डालूँगा मैं जा रहा हूँ। इस भयानक जंगल में

इसको नहीं पता है कि हम लोग कौन हैं ? अगर हम लोग इसके पास जायेंगे तो यह हम लोगों को मार डालेगा। नहीं तो हमारा असली रूप कैसे आयेगा ?

फिर अमिताभ बोलते हैं कि इस साधु को मारकर क्योंकि जब तक यह साधु जीवित हैं तब तक इसके अन्दर शक्ति है जब यह मर जायेगा इसकी सब शक्ति खत्म हो जायेगी। देखो यह तपस्या कर रहा है उसको चारों तरफ से घेर लो तो वरना यह भागने न पाये फिर चारों जन उसे चारों तरफ से घेर लेते हैं फिर एक शेर जो जोर से दहाड़ता है साधू उठकर खड़ा हो जाता है फिर शेर उसके ऊपर कूद जाता है और उसे मार डालता है फिर वह सभी लोग शेर से अपने असली रूपमें आ जाते हैं वह सभी लोग एक दूसरे से गले मिलते हैं और नाचने लगते हैं व गाने लगते हैं।

तभी अमिताभ बोलता है चलो हम लोग अपने असली रूप में तो आ गये फिर सलमान कहता है कि अब हम लोगों को आगे क्या करना होगा यह मीडिया और लोगों को चकमा देते हुये हमें जिम कार्बेट पार्क से नैनीताल तक फिर बाम्बे फिर अपने-अपने घर क्योंकि अगर किसी को पता चल गया कि हम वापस आ गये हैं तो पहाड़ों में जादुई शक्ति बहुत होती है कहीं फिर सफर के दौरान हम लोगों की कोई फिर से अजीब सी हालत न हो जाये फिर एकदम से आमिर बोलता है गुड आइडिया सर आपको मालूम है मैं अपनी फिल्म प्रमोशन करने के लिये जगह जगह भेस बदलकर शहर-शहर घूमता था मेरे पास भेस बदलने की सभी चीजें हैं आप लोग अपना अपना रूप बदल लीजिये और सभी लोग अपना-अपना रूप बदल लेते हैं। उनकी असली रूप में आने के बाद उनकी हर चीज उनके पास आ जाती है तभी शाहरुख का मोबाइल बजता है मोबाइल में गौरी लिखकर आ रहा था फिर अमिताभ बोलते हैं फोन मत उठाना सभी लोग अपना मोबाइल बन्द कर दीजिये शाहरुख आप इस विषय में मत कुछ बोलियेगा।

फिर शाहरुख बोलता है जैसा हुकुम मेरे आका जल्दी चलो यहाँ से कोई अगर यहाँ आ गया तो लोग कहेंगे कि इस साधू को हमने मार डाला फिर वह सभी वहाँ से चल पड़ते हैं रास्ते में कुछ पुलिस मैन मिलते हैं वह पूछते हैं क्या आपको हमारे फिल्म स्टार मिले हैं नहीं-नहीं हमको तो कोई नहीं दिखा पूरे जंगल में हर जगह पोस्टर चिपके हुये हैं शाहरुख, सलमान, आमिर, अमिताभ लापता यह देखिये अमिताभ जी हमारे हर जगह पोस्टर लगे हैं।

फिर वह जल्द से जल्द बस पर जाकर बैठ जाते हैं और नैनीताल के लिये रवाना हो जाते हैं वह बस पर काफी उदास बैठे हुये थे।

अब न उन्हें पहाड़ों की ठण्डी हवा लग रही थी न ही पहाड़ों की बारिश का लुफ्त उठा रहे थे न ही पहाड़ों की खूबसूरती देखकर अपने मन में कोई नई दुनिया बसा रहे थे न ही किसी विषय पर कोई बात कर रहे थे बिल्कुल चुपचाप और शान्त बैठे हुये थे उन लोगों के मन में सिर्फ एक ही बात थी कि हम लोग अपने-अपने घर कब पहुँचेगें और अपने लोगों से कब मिलेंगे।

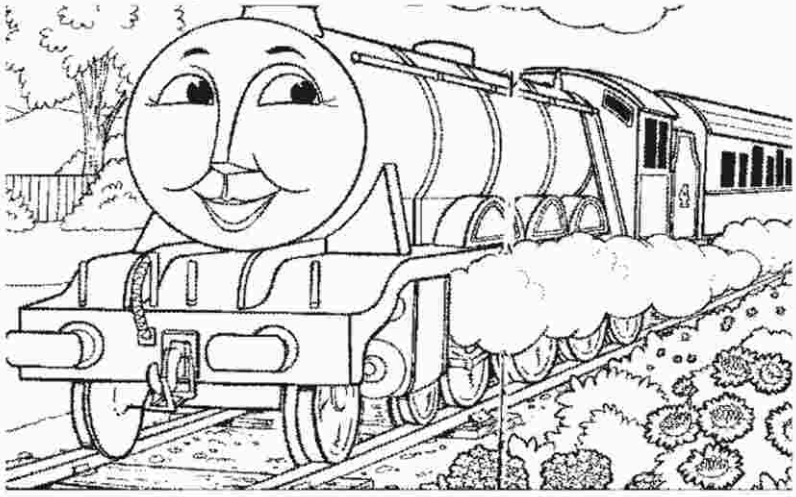

तभी पहाड़ों से जोरदार आवाज करते हुये ट्रेन निकलती है आवाज सुनते ही सब लोगों की नींद खुल जाती है तभी अमिताभ शाहरुख से कहते हैं क्यों न गाना गाया जाये वह भी मेरे सपनों की रानी कब आयेगी तू चली आ चली आ देखे शाहरुख तब मैंने आपकी बात मानी थी अब हमारी बात आप मानिये अमिताभ आप ऐसी सेचुएशन में भी इतने रोमांटिक कैसे हो सकते हैं अरे यार जो बीत गया उसके बारे में सोचने से क्या फायदा है अमिताभ जी बब्बर शेर की जिन्दगी बिताने के बाद आपका दिल बब्बर जैसा हो गया है फिर भी कोई बात नहीं फिर अमिताभ जी कहते हैं कि अगर आपका मन गाना गाने का नहीं है तो मत गाइये फिर काफी दूर

पहुँचने के बाद शाहरुख अमिताभ से बोलते हैं कि क्या अब आप पुरानी फिल्मों के पहाड़ों के एक्शन सीन नहीं सुनाओगे जैसे हीरो विलेन का पीछा करता है शाहरुख जी आप अपने जीवन में कितने ऐक्शन और संघर्ष करके आ रहे हैं अभी भी आपको पुरानी फिल्मों के एक्शन सुनने हैं अगर आपका मन है तो हम सुना सकते हैं फिर आमिर, सलमान कहते हैं कि नहीं नहीं रहने दीजिये तभी यही नैनीताल आ जाता है फिर बड़ी नैनी झील आ जाती है लेकिन वहाँ पर पहुँचने के बाद अब कोई भी उनसे आटोग्राफ नहीं माँग रहा है न उनको देखने के लिये हजारों की भीड़ जमा हो रही थी तभी आमिर कहते हैं चलिये हम लोग किसी अच्छे होटल में चलते हैं तभी अमिताभ बोलते हैं कि होटल में जाने के लिये अपना पहचान पत्र दिखाना पड़ता है हम लोग अपना पहचान पत्र कैसे दिखायेंगे तो उन्हें पता चल जायेगा कि आखिर हम कौन हैं कौन, फिर हम लोग कहाँ जायेंगे दिन भर यहीं बितायेंगे और बॉम्बे के लिये निकल पड़ेंगे और अब आप लोगों को बहुत बड़ा सरप्राईज भी मिलेगा। अब आपको आगे कोई भी तकलीफ नहीं होगी यह नैनीताल हम काफी घूम चुके हैं और काफी थके हुये हैं वह उसी जगह पर जाकर बैठ जाते हैं।

जहाँ पर वह अपने होटल की खिड़की से हिमालय और झरना देखा करते थे तभी सलमान एक कैन्टीन से बहुत सारा नाश्ता ले आता है तो सभी लोग बड़े मजे से नाश्ता खाते हैं और मन ही मन कोई गीत गुन गुनाने लगते हैं फिर सभी लोग एक दूसरे से अलग होकर कहीं दूर-दूर जाकर बैठ जाते हैं और अपने बीते हुये समय को याद करने लगते हैं।

कुछ समय बाद आसमान में एक हैलीकाप्टर उड़ते हुये देखते हैं तभी अमिताभ उठकर खड़े हो जाते हैं उनका मोबाइल बजने लगता है तभी तीनों बोलते हैं फिर मोबाइल बन्द कर लीजिये कहीं किसी को पता न चल जाये कि

Three Boys One Girl

मन में है विश्वास (बच्चे)

एक दिन वो आयेंगे (भगवान हनुमान जी)

हम भी होंगे इनके जैसे कामयाब (फिल्म स्टार)

How

Childrens become Super Star

क्या लाइफ में ऐसा भी होता है?

भाग–1

लेखक, प्रकाशक व चित्रांकन :

सन्दीप मेहरोत्रा

33/151 गया प्रसाद लेन, मनीराम बगिया, कानपुर

मो० : 07505059273

★

संस्करण : प्रथम, जनवरी–2014

★

Copy Right 2013-Act Right Reserved ©

★

मूल्य : ₹ 40.00

★

मुद्रक :

अक्षय प्रकाशन

128/1/43, यशोदानगर, कानपुर

मो० : 9005688368

KYA LIFE ME AISA BHI HOTA HAI

BY : SANDEEP MEHROTRA